अध्याय 6

भवाई कलाकारो से साक्षात्कार किए उसकी कुछ तस्वीरे

भवाई एक ऐसा लोक नाट्य है ना तो वह कभी बदल शकता है ना ही उसको हम नकार सकते है। आज भवाई म पारंपारिक भवाई हो रही है उसका मिलना मानो आ संभव हो गया है। फिर भी यह कहना शहरो के लिए सही होगा गाँव म आज भी पारंपारिक भवाई होती है। उसके नियम आज भी वही होते है। भवाई म जो प्रेक्षक गण होता है आज भी वह भवाई को उतने ही उत्साह के साथ देखते है।

मने अपने शोध काय के समय म कही सारे कलाकार से मिली, उसे बात चित उसकी कुछ तस्वीरे और वीडियो के साथ भवाई कलाकार के साथ जो बात चित हई उसका औडियो भी इस सी.डी म रखा है।

भवाई की कुछ मंडलीय का नाम है जिनसे म मिल के आए ह उसके साथ साथ भवाई कलाकारो से भी मिली ह। 23-12-2018 म उंझा म एक भवाई कलाकारो का सन्मान रखा था उसी समय मुझे भी काली भवाई मण्डल के नायक ने आमंत्रित किया था। उन्होने भवाई पे काम करने के कारण मुझे सनमानित किया था। उसके अलावा गायत्री भवाई मण्डल, मोरबी भी गई थी।